ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 117

भाजपा राष्ट्रीय टीम में बड़ा फेरबदल: मालवीय की IT सेल से छुट्टी, स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी, वसुंधरा समेत 13 उपाध्यक्ष-2027 के चुनावों से पहले संगठन का नया सियासी संतुलन

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान कर संगठन में बड़ा फेरबदल कर दिया है। करीब सात महीने बाद घोषित इस टीम में अनुभव और नए चेहरों का मिश्रण दिखाई देता है। सबसे चर्चित बदलावों में लंबे समय से पार्टी की डिजिटल रणनीति संभाल रहे अमित मालवीय की जगह दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया की कमान देना, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा के पुराने रणनीतिकार राम माधव की राष्ट्रीय संगठन में वापसी शामिल है। नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री और 16 राष्ट्रीय सचिव बनाए गए हैं। इसके अलावा कोषाध्यक्ष, मीडिया, सोशल मीडिया और विभिन्न मोर्चों में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। पार्टी का यह पुनर्गठन अगले दौर के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वसुंधरा समेत 13 नेताओं को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को एक बार फिर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजस्थान से डॉ. सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री और राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। वहीं राजस्थान के डॉ. मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चे का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है।

स्मृति ईरानी की वापसी, 8 महामंत्रियों में शामिल

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में वापसी हुई है। उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया को भी राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। संगठन महामंत्री के पद पर बीएल संतोष बने रहेंगे, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को संयुक्त संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

16 राष्ट्रीय सचिवों की टीम

राष्ट्रीय सचिवों में कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, डॉ. संदीप पाठक, फांगनोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश शामिल हैं। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय कार्यालय की जिम्मेदारी तरुण चुघ को मिली है, जबकि महेंद्र पांडे केंद्रीय कार्यालय सचिव होंगे।

अमित मालवीय की जगह दीपक म्हस्के—डिजिटल टीम में सबसे बड़ा बदलाव

भाजपा की नई टीम में सबसे ज्यादा चर्चा IT और सोशल मीडिया विंग में हुए बदलाव की है। अमित मालवीय को लंबे कार्यकाल के बाद इस जिम्मेदारी से हटाकर दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया कन्वीनर बनाया गया है। म्हस्के की पहचान केवल संगठनात्मक कार्यकर्ता के रूप में नहीं है। वे केमिस्ट्री के प्रोफेसर रह चुके हैं और पार्टी की डिजिटल एवं चुनावी रणनीतियों में काम करने का अनुभव रखते हैं। ऐसे में भाजपा के डिजिटल अभियान को अब नए नेतृत्व और नए चुनावी डेटा-आधारित दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं। सोशल मीडिया की सह-कन्वीनर टीम में प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट और अरुण यादव को शामिल किया गया है।

मीडिया टीम भी बदली

भाजपा ने मीडिया की जिम्मेदारी अनिल बलूनी को मीडिया कन्वीनर बनाकर दी है। उनके साथ आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी और सिद्धार्थ यादव मीडिया सह-कन्वीनर होंगे।

मोर्चों में भी नए चेहरे

युवा मोर्चे की कमान अब डॉ. हेमंग जोशी को दी गई है। महिला मोर्चे की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, ओबीसी मोर्चे के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, किसान मोर्चे के अध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, एससी मोर्चे के अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, एसटी मोर्चे के अध्यक्ष डॉ. मन्नालाल रावत और अल्पसंख्यक मोर्चे के अध्यक्ष कुंवर बासित अली होंगे।

UP और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व पर भी जोर

नई टीम में उत्तर प्रदेश को खास प्रतिनिधित्व मिला है। रेखा वर्मा, तारिक मंसूर, स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, डॉ. भोला सिंह, संगीता यादव और अमरपाल मौर्य सहित कई नाम उत्तर प्रदेश से हैं। अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व में प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चे की कमान दी गई है।

तिरंगे की शान में रंगा उदयपुर, वंदे मातरम् की स्वर लहरियों के बीच मना 80वां स्वाधीनता दिवस

गांधी ग्राउंड में टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने किया ध्वजारोहण, मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, 69 प्रतिभाओं को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। देशभक्ति, उत्साह और गौरव के रंग में रंगे उदयपुर में शनिवार को 80वां स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के गांधी ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह इस बार कई मायनों में खास रहा। पहली बार समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुई, जबकि ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' की स्वर लहरियों ने पूरे परिसर को देशभक्ति से भर दिया। मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी और जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड की टुकड़ियों ने अनुशासित मार्च पास्ट करते हुए राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढ़ाई। समारोह के दौरान 69 लोगों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एडीएम प्रशासन दीपेन्द्र सिंह ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया।

मार्च पास्ट में दिखा अनुशासन और जोश

समारोह का प्रमुख आकर्षण मार्च पास्ट रहा। एनसीसी मुख्यालय उदयपुर के लाइनिंग अधिकारी एवं सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी प्रेमशंकर श्रीमाली के निर्देशन तथा परेड कमांडर पुनाराम गुर्जर के नेतृत्व में विभिन्न टुकड़ियों ने कदम से कदम मिलाकर मार्च पास्ट किया। राजस्थान पुलिस, होमगार्ड और राष्ट्रीय सेवा योजना की टुकड़ियों के साथ पुलिस बैंड ने भी प्रस्तुति दी। मास्टर कन्हैयालाल तथा दिगंबर जैन विद्यालय की बैंड टीम ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। सधे कदमों के साथ आगे बढ़ती टुकड़ियों को देखकर पूरा गांधी ग्राउंड तालियों और भारत माता के जयकारों से गूंज उठा।

शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का सम्मान

स्वाधीनता दिवस समारोह में देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों के परिजनों का भी अभिवादन किया गया। मंत्री बाबूलाल खराड़ी सहित अधिकारियों ने उदयपुर के शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागौरी, शौर्य चक्र विजेता शहीद मेजर मुस्तफा तथा स्वतंत्रता सेनानी कन्हैयालाल के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

सामूहिक व्यायाम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने सामूहिक व्यायाम और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की विविधता में एकता का संदेश दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं केंद्रीय कारागृह के बंदीजन ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र सेन, डॉ. सीमा चम्पावत, रागिनी पानेरी और रणवीर सिंह राणावत ने किया।

स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को सदैव स्मरण रखें

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि स्वाधीनता दिवस उन स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिनके संघर्ष से देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता की इस अमूल्य विरासत को सुरक्षित रखना और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और जनकल्याण के क्षेत्रों में सरकार लगातार काम कर रही है। मंत्री ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह में ये रहे मौजूद

समारोह में सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, शहर विधायक ताराचंद जैन, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, आईजी गौरव श्रीवास्तव, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, एसपी डॉ. अमृता दुहन, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, जिला परिषद सीईओ विरमाराम, स्मार्ट सिटी सीईओ सोनिका कुमारी, प्रशिक्षु आईएएस मणिमाला एन, समाजसेवी गजपाल सिंह और पुष्कर तेली सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

संपादकीय : संकल्प और संदेश

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश को आजादी मिलने के बाद बीते करीब आठ दशक का सफर जहां स्तरीय विकास का जीवन उदाहरण है, वहीं इस दौरान लोगों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी देखे। मगर इस सबके बीच एक संकल्प कायम रहा कि जिन तूफानों और मुश्किलों का सामना करके देश ने स्वतंत्रता हासिल की थी, उसकी गरिमा को कायम रखना और भविष्य को ज्यादा बेहतर बनाना सभी का दायित्व है। इसमें आमतौर पर सभी नागरिकों ने अपने स्तर पर अपनी सीमा में हर संभव योगदान दिया है और इसे कर्तव्य की तरह निभाया है। यही वजह है कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के आंदोलन को याद करते हुए देश के पास संतोष और उल्लास के साथ न केवल एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है, बल्कि उसे जमीन पर उतारने का हौसला भी दिखता है। आबादी के ज्यादातर हिस्से के पास विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए अलग-अलग दौर की सरकारों ने जिस स्तर पर काम किया, उसे बहुत जटिल संघर्षों के बाद मिली स्वतंत्रता की गरिमा और सपने को नया आयाम देने के प्रयासों के तौर पर देखा जा सकता है। यों देश की उपलब्धियों को आजादी की लड़ाई के नायकों की भूमिका के आईने में देखना स्वाभाविक ही है, लेकिन हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संघर्ष की संवेदना को महसूस करने की अपनी अहमियत है। इस वर्ष भी यह उत्साह देश के अलग-अलग राज्यों में हर जगह दिखा। जाहिर है, इस अवसर पर जहां अतीत की उपलब्धियों को याद करना एक औपचारिक, लेकिन संवेदना से जुड़ा अध्याय है, वहीं भविष्य की बेहतरी के संकल्प भी जरूरी हिस्सा हैं। इसी संदर्भ में दिल्ली में लालकिले से प्रधानमंत्री ने भी एक बार फिर वक्त के सुनहरे अध्यायों को याद करते हुए देश को एक बेहतर भविष्य की दिशा में आगे ले जाने का संकल्प दोहराया। उनकी इस बात का अपना महत्त्व है कि देश के विकास के लिए बड़े सपने सोच का विस्तार करते हैं और दृढ़ संकल्प होने पर कठिनाइयों और आपदाओं के बीच से रास्ते निकालने की सामर्थ्य अपने आप सामने आती है। उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब और मध्यवर्ग के परिवारों को साथ लेकर 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों का आह्वान करने के साथ-साथ उन्होंने विकसित भारत बनाने के लिए 'शक्ति की सप्तधारा' का दृष्टिकोण भी साझा किया। दरअसल, यह देश की आत्मा में बसे उस जीवट का संकेत है, जिसका उदाहरण समय-समय पर दुनिया ने देखा है। यह सही है कि आज भी देश के सामने विकास की कसौटियों के समांतर अनेक जटिलताएं और चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, लेकिन इन सबके बीच सामान्य स्थितियों से लेकर बेहद संवेदनशील और संकट जैसे हालात में भी लोगों ने धीरज के साथ देश की गति को बनाए रखने में अपना योगदान दिया है, जो वक्त के दस्तावेज में दर्ज होता रहा है। हालांकि आज भी सीमा पार और कई बार आंतरिक मोर्चों से मिलती चुनौतियां नई रणनीति के तकाजे की जरूरत को रेखांकित करती रही हैं, लेकिन देश ने अपना सफर जारी रखा है। यह बेवजह नहीं है कि आधुनिक तकनीक और दुर्लभ खनिजों के मामले में आज दुनिया भारत की ओर देख रही है। इसलिए यह उम्मीद स्वाभाविक है कि आजादी के बाद अब तक देश में जो मजबूत नींव तैयार हुई है, उस पर विकास की नई इबारत लिखी जाएगी।

तंग नजर

किसी व्यक्ति का पहनावा कैसा होना चाहिए, यह उसकी निजी पसंद पर निर्भर करता है। इसके बावजूद लड़कियों और महिलाओं के परिधान को लेकर अक्सर विवादित टिप्पणियां की जाती हैं, जे सामाजिक विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। सवाल है कि क्या कोई किसी के पहनावे को नियंत्रित करने का अधिकार रखता है या फिर यह समाज की पुरुष प्रधान सोच को जिंदा रखने के प्रयास को दर्शाता है ? किसी लड़के या पुरुष के वस्त्र को लेकर तो कभी कोई सवाल नहीं उठाया जाता है, तो फिर लैंगिक आधार पर यह भेदभाव क्यों किया जाता है ? ऐसे ही एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में अपने फैसले में कहा कि लड़की के कपड़े पहनने का निर्णय उसकी निजी पसंद है और यह कहा जाना कि जींस पहनने से वह युवा लड़कों को बिगाड़ सकती है, यह ऐसी मानसिकता को दर्शाता है। जो बेहद चिंताजनक और अस्वीकार्य है। जाहिर है कि इस धारणा को सामाजिक स्तर पर खत्म करने की जरूरत है। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जहां समाज के एक वर्ग की ओर से यौन अपराधों के लिए लड़कियों और महिलाओं के पहनावे को भी जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की जाती है। जबकि किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह महिला हो या पुरुष, यह तय करने का अधिकार नहीं है कि कोई क्या पहने और क्या नहीं। यह पूरी तरह से व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं निजी पसंद से जुड़ा विषय है और इसमें अनावश्यक दखल देने को निजता के उल्लंघन एवं गरिमा को ठेस पहुंचाने के रूप में ही देखा जाएगा। अदालत ने भी स्पष्ट कहा है कि कोई लड़की या महिला क्या पहनना चाहती है, यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है न तो पड़ोसियों, न समाज को और न ही किसी मामले में आरोपी या उसके वकील को सवाल उठाने का अधिकार है। ऐसे में इस बात पर गौर करना बेहद जरूरी है कि यौन अपराधों की बढ़ती समस्या का समाधान लड़कियों या महिलाओं के पहनावे को नियंत्रित करने में नहीं है। इसके बजाय माता-पिता और समाज को लड़कों के आचरण पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान करने की सीख देनी चाहिए।

भींडर में वार्ड आरक्षण लॉटरी में बड़ी चूक, पुरानी लॉटरी रद्द कर नए सिरे से निकाली

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निकाय चुनाव से पहले भींडर नगर पालिका की वार्ड आरक्षण लॉटरी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई। लॉटरी में परिसीमन के बाद के नए वार्डों की जगह 2020 के पुराने वार्डों को आधार बना लिया गया। भाजपा नेता हितेश व्यास की आपत्ति के बाद जांच हुई तो गलती सही पाई गई। प्रशासन ने पहली लॉटरी निरस्त कर पूरी प्रक्रिया नए सिरे से कराई। आपत्ति वार्ड 17 के एससी आरक्षण को लेकर उठी थी, जहां एससी मतदाता नहीं होने का सवाल उठाया गया। जांच में आपत्ति सही मिलने के बाद एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा ने लॉटरी निरस्त करने की जानकारी दी। कलेक्टर गौरव अग्रवाल की मौजूदगी में बाद में नई लॉटरी निकाली गई। नई लॉटरी में पांच वार्डों का आरक्षण बदल गया। वार्ड 8 एसटी महिला से अनारक्षित महिला, वार्ड 9 एसटी से एसटी महिला, वार्ड 16 एससी से अनारक्षित महिला, वार्ड 17 एससी से अनारक्षित महिला और वार्ड 25 एससी महिला से अनारक्षित ओपन हो गया।

चित्तौड़गढ़ में 7 निकायों के 250 वार्डों की आरक्षण लॉटरी, 83 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित; चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही गूंजे सांवरा सेठ के जयकारे

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिले के 7 नगरीय निकायों के 250 वार्डों की आरक्षण लॉटरी आज निकाली गई। इनमें चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के अलावा निंबाहेड़ा, रावतभाटा, कपासन, बड़ीसादड़ी, अकोला और बेगूं नगर पालिकाएं शामिल हैं। इस बार कुल 83 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। प्रत्येक श्रेणी में करीब 33 प्रतिशत वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित रहे। लॉटरी प्रक्रिया करीब 25 मिनट देरी से शुरू हुई। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू और अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश धाकड़ ने प्रक्रिया की जानकारी दी। बच्चों से लॉटरी निकलवाकर प्रक्रिया शुरू की गई। सबसे पहले रावतभाटा, फिर अकोला, बेगूं, कपासन, निंबाहेड़ा, बड़ीसादड़ी और अंत में चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के वार्डों की लॉटरी निकाली गई। चित्तौड़गढ़ नगर परिषद की बारी आते ही जनप्रतिनिधियों ने सांवरा सेठ के जयकारे लगाए। चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के सभापति पद की लॉटरी 13 अगस्त को ही हो चुकी है, जिसमें पद अनारक्षित ओपन आया था। लॉटरी के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिसोदिया, अहसान पठान, विजय चौहान, बालमुकुंद मालीवाल, कैलाश पंवार, अशोक वैष्णव, नवरतन जीनगर, भाजपा महामंत्री रघु शर्मा, भोलाराम प्रजापत, अनिल ईनाणी, हरीश ईनाणी और सुधीर जैन सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

15 साल से सड़क बदहाल, अब ग्रामीणों ने कहा- सुधार नहीं हुआ तो 4 बूथों पर वोट नहीं देंगे

24 न्यूज अपडेट

ऋषभदेव/ उदयपुर। कोजावाड़ा से परेंड़ा नाल तक करीब 9 किलोमीटर सड़क की बदहाली अब ग्रामीणों के लिए सिर्फ परेशानी नहीं, बल्कि चुनावी मुद्दा बन गई है। करीब 15 साल से जर्जर सड़क को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर स्थायी निर्माण की मांग की है। साथ ही साफ चेतावनी दी है कि एक महीने में समाधान नहीं हुआ तो आगामी पंचायती राज चुनाव में क्षेत्र के चार बूथों पर वोट बहिष्कार किया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग परेंड़ा सहित आसपास के गांवों को ऋषभदेव क्षेत्र से जोड़ता है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं और बारिश के दौरान इनमें पानी व कीचड़ भर जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों के लिए भी रास्ता जोखिम भरा हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी विद्यार्थियों, किसानों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में कई जगह सड़क की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि सामान्य आवागमन मुश्किल हो जाता है। जरूरी काम के लिए लोगों को वैकल्पिक और लंबा रास्ता अपनाना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर पहले भी ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन सड़क की हालत में स्थायी सुधार नहीं हुआ। स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी सड़क की बदहाली के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन कर चुके हैं। अब ग्रामीणों ने प्रशासन को एक महीने की समय-सीमा देते हुए कहा है कि सड़क की मरम्मत के बजाय स्थायी निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि निर्धारित अवधि में काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन को चुनाव तक ले जाया जाएगा और कोजावाड़ा-परेंड़ा क्षेत्र के चार मतदान केंद्रों पर सामूहिक वोट बहिष्कार किया जाएगा।

94.58 लाख में चलेंगी उदयपुर की 4 एंटी-स्मॉग गन, निगम ने निकाला टेंडर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में धूल और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नगर निगम ने चार एंटी-स्मॉग गन के संचालन और रखरखाव के लिए 94.58 लाख रुपए का टेंडर जारी किया है। एक साल की अवधि वाले इस टेंडर की निविदा जमा कराने की अंतिम तारीख 19 अगस्त शाम 6 बजे निर्धारित की गई है। टेंडर संख्या MCU/ Garage/ 2026-27/ E-09/ 355 के तहत दो ट्रक माउंटेड एंटी-स्मॉग गन, जिनकी क्षमता 8 हजार लीटर है तथा दो बोलेरो माउंटेड एंटी-स्मॉग गन, जिनकी क्षमता 1500 लीटर है, के व्यापक रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी एजेंसी को दी जाएगी।

एक साल में 94.58 लाख का खर्च निगम के अनुमान के मुताबिक चार मशीनों की मेंटेनेंस और ऑपरेशन व्यवस्था पर सालभर में 94.58 लाख रुपए खर्च होंगे। यानी औसतन करीब 7.88 लाख रुपए प्रतिमाह का खर्च अनुमानित है। हालांकि वास्तविक भुगतान टेंडर की शर्तों और कार्य निष्पादन के आधार पर होगा। टेंडर ऐसे समय आया है जब शहर में सड़क किनारे उड़ती धूल और निर्माण कार्यों से निकलने वाले धूलकण लगातार चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में निगम के सामने सिर्फ मशीनों की खरीद या मेंटेनेंस नहीं, बल्कि इनके वास्तविक उपयोग और निगरानी की चुनौती भी होगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि चारों एंटी-स्मॉग गन प्रतिदिन कितने घंटे चलती हैं, किन इलाकों में भेजी जाती हैं और उनके संचालन का रिकॉर्ड किस तरह तैयार किया जाता है। 94.58 लाख रुपए के सार्वजनिक खर्च के बीच मशीनों के उपयोग का पारदर्शी रिकॉर्ड और प्रदूषण नियंत्रण में उनका वास्तविक असर भी महत्वपूर्ण होगा। निविदा राजस्थान ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल, स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल और उदयपुर नगर निगम के माध्यम से प्रक्रिया में है।

जरूरतमंद बच्चों को भोजन, मिठाई और तिरंगे बांटे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर हेलिपिंग यूथ संस्थान के युवाओं ने न्यू आरटीओ रोड, चित्रकूट नगर, प्रतापनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद बच्चों और परिवारों के बीच भोजन पैकेट, मिठाई और तिरंगे वितरित किए। बच्चों ने तिरंगा हाथ में लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान हुआ। संस्थान अध्यक्ष दिव्येश बन्दवाल ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए। तनिष्क चौधरी ने युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने और विनीत चौहान ने सेवा गतिविधियों को आगे भी जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में हनी कुमावत, विनीत चौहान, मोहित सालवी, महेंद्र खटीक, तनिष्क चौधरी और जितेंद्र सालवी सहित संस्थान के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नारी शक्ति के जागरण से ही राष्ट्र निर्माण संभव : डॉ. तिवारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्वऋतु विलास स्थित शक्तिपीठ परिसर में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में एक दिवसीय नारी जागरण सम्मेलन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. गायत्री तिवारी ने महिलाओं से स्वाभिमान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़कर समाजहित में अपनी क्षमता का उपयोग करने का आह्वान किया। आरएएस लतिका पालीवाल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रक्षा सनाढ्य ने महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के साथ परिवार में संस्कारों का वातावरण बनाने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का संदेश दिया। सम्मेलन में नारी जागरण, समय प्रबंधन, युग निर्माण, उपासना-साधना, परिवार निर्माण और सामाजिक बदलाव में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। शारदा पानेरी, शारदा सनाढ्य, प्रियंका पानेरी, विजया दीदी, दुर्गा जोशी और वर्चस्वी मेनारिया ने युगवाणी व युगगीत प्रस्तुत किए। उदयपुर संभाग की 14 तहसीलों से आई महिलाओं ने सहभागिता की। संचालन गायत्री भट्ट और डॉ. मेघा उपाध्याय ने किया। आभार फतेहकुंवर सनाढ्य और शैली भटनागर ने जताया।

आत्मीय साहित्यिक संध्या में सम्मान के साथ पुस्तक पर संवाद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कजरी होटल के सभागार में टीम संस्था, उदयपुर की ओर से आयोजित 'आत्मीय साहित्यिक संध्या में साहित्य, इतिहास, कला और संस्कृति से जुड़े व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। आयोजन में सम्मान के साथ हाल ही प्रकाशित पुस्तक 'निज के भीतर निज से इतर और उसके लेखक कुंदन माली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार-विमर्श भी हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार एवं इतिहासकार डॉ. देव कोठारी, डॉ. जी.एस. राठौर, डॉ. शारदा पोटा, डॉ. श्रीकृष्ण कुमार 'जुगनू और पूर्व आरएएस अधिकारी दिनेश कोठारी मंचासीन अतिथि रहे। संस्था सचिव एवं रंगकर्मी सुनील टांक ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश सालवी, राजेंद्र पानेरी, गोरीकांत शर्मा, डॉ. बसंत सोलंकी, अभीक सरकार, डॉ. हुसैनी बोहरा, डॉ. शारदा भट्ट, हेमंत जोशी, रजत, शेली श्रीवास्तव, रुचि सुखवाल, अशोक कुमार शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा, सरिता जैन, जेठानंद पंवार, आशीष हरकावत और अनुजा नाहर सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। मंच संचालन के लिए लक्षा पोटा को भी सम्मानित किया गया। पुस्तक पर हुई गोष्ठी में साहित्यकारों और विद्वानों ने कुंदन माली के रचनात्मक अवदान तथा पुस्तक की विषयवस्तु के विभिन्न पक्षों पर विचार साझा किए। सुनील टांक ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल सम्मान तक सीमित न रहकर साहित्यकारों और विद्वानों के बीच सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना था। कार्यक्रम में प्रदीप कौशिक, लोकेश सहित अन्य साहित्यकार एवं विद्वजन मौजूद रहे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

भारी दबाव के बाद शिक्षा मंत्री का यू-टर्न, बोले-स्कूलों में मीडिया पर कोई रोक नहीं मगर अभिभावक की अनुमति जरूरी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में मीडिया की आवाजाही को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की सफाई के बावजूद सबसे बड़ा सवाल वहीं खड़ा है'स्कूलों की कमियां सामने लाने वाली स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था कितनी खुली रहेगी? ऐसे में लोग तो अब यह तक कहने लगे हैं कि सबसे पहले स्कूलों में नेताओं का प्रवेश बंद होना चाहिए क्योंकि वे ही पूरे सिस्टम का बंटाढार करवा रहे हैं। नेताओं ने स्कूलों को राजनीतिक का अड्डा बना रखा है। वे नहीं आएंगे तो सिस्टम आधा तो अपने आप ही सुधर जाएगा। बाकी काम लोग खुद कर लेंगे। मंत्री ने अब दबाव में आकर यू टर्न लिया है व कहा है कि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सरकार का मकसद बच्चों की निजता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उनका कहना है कि नाबालिग बच्चों की फोटो, वीडियो या बाइट लेने से पहले अभिभावक की अनुमति जरूरी होगी और अभिभावक मौजूद नहीं होने पर शिक्षक से अनुमति ली जा सकती है। सरकार की दलील अपनी जगह है, लेकिन विवाद की जड़ 'मीडिया प्रवेश से ज्यादा 'अनुमति की व्यवस्था है। सरकारी स्कूल किसी निजी परिसर की तरह नहीं हैं। सार्वजनिक धन से व्यवस्थाएं संचालित होती हैं और व्यवस्थाओं की स्थिति जानना अभिभावकों और समाज के लिए महत्वपूर्ण है यह किसी की बपौती नहीं है। सवाल यह है कि यदि किसी स्कूल की छत जर्जर है, कमरों की हालत खराब है, शौचालय उपयोग लायक नहीं हैं या बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाओं की कमी है तो उसकी तस्वीर लेने के लिए भी अनुमति की जरूरत होगी या नहीं?

दिलावर का तर्क- बच्चों को कैमरे से बचाना जरूरी

मंत्री का कहना है कि कोई भी व्यक्ति अपनी मर्जी से स्कूल में पहुंचकर बच्चों से बातचीत या उनकी रिकॉर्डिंग नहीं कर सकता। संस्था प्रधानों को बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए गए हैं। यहां एक बात पर सरकार से असहमति की गुंजाइश कम है कि नाबालिग बच्चों की पहचान, फोटो और निजी जानकारी की सुरक्षा होनी चाहिए। लेकिन इस सुरक्षा व्यवस्था को स्कूल की पूरी गतिविधि को कैमरे और मीडिया से दूर रखने का माध्यम नहीं बनाया जा सकता। दोनों विषयों के बीच स्पष्ट सीमा जरूरी है।

CJP ने चुनौती देकर विवाद को दूसरा मोड़ दिया

इसी बीच CJP के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार पहले राजस्थान के जर्जर स्कूलों को ठीक करे या उनके खिलाफ एडवांस में एफआईआर दर्ज करवा दे। रांका का कहना है कि सरकार चाहे तो उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन वे स्कूलों का निरीक्षण बंद नहीं करेंगे। उनका दावा है कि जब तक प्रदेश के स्कूलों की स्थिति में सुधार नहीं होता, वे व्यवस्थाओं को लेकर आवाज उठाते रहेंगे। उनका बयान दरअसल बड़े सवाल को सामने लाता है जिसे सरकारी सफाई पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई है। अगर स्कूलों की व्यवस्थाओं की निगरानी विभाग खुद करता है तो बाहरी निगरानी से परेशानी क्यों होनी चाहिए?

'स्कूलों के हालात छिपे नहीं' तो रिपोर्टिंग से आपत्ति क्यों?

दिलावर का कहना है कि स्कूलों की व्यवस्थाओं पर नियमित निगरानी होती है। अभिभावक-शिक्षक बैठकों में भी स्कूलों और बच्चों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इसलिए स्कूलों के हालात किसी से छिपे नहीं हैं। लेकिन यही तर्क एक दूसरा सवाल भी पैदा करता है'यदि हालात वास्तव में छिपे नहीं हैं तो स्वतंत्र मीडिया कवरेज को लेकर इतनी संवेदनशीलता क्यों? सरकारी निरीक्षण और स्वतंत्र पत्रकारिता की भूमिका अलग-अलग है। विभाग अपनी व्यवस्था की कमियां देखता है, जबकि मीडिया उन कमियों को जनता के सामने रखता है। दोनों भूमिकाएं एक-दूसरे की जगह नहीं ले सकतीं।

असली परीक्षा आदेश की नहीं, उसके इस्तेमाल की होगी

अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि स्कूलों में जारी निर्देशों को जमीनी स्तर पर संस्था प्रधान और अधिकारी किस तरह लागू करते हैं। यदि पत्रकार को स्कूल की इमारत, सुविधाओं और व्यवस्थाओं की रिपोर्टिंग करनी है तो क्या उसे हर बार अनुमति के लिए इंतजार करना होगा? अनुमति देने या रोकने का कोई लिखित और पारदर्शी आधार होगा? और अगर किसी स्कूल में गंभीर कमी सामने आती है तो उसे सार्वजनिक करने में कोई प्रशासनिक बाधा तो नहीं आएगी?

सरकार को इन सवालों पर स्पष्टता देनी होगी।

बच्चों की निजता की रक्षा जरूरी है, लेकिन उसी बहाने स्कूलों की जवाबदेही पर पर्दा नहीं पड़ना चाहिए। राजस्थान के सरकारी स्कूल लाखों बच्चों का भविष्य तैयार करते हैं। इसलिए वहां सुरक्षा भी जरूरी है और पारदर्शिता भी। फिलहाल दिलावर की सफाई ने इतना जरूर स्पष्ट किया है कि सरकार इसे मीडिया बैन का मामला नहीं मानती। लेकिन अब असली सवाल यही है कि स्कूल के गेट पर 'मीडिया प्रतिबंधित नहीं लिखा होगा या 'अनुमति के बाद प्रवेश' और इन दोनों के बीच पत्रकारिता की स्वतंत्रता कितनी जगह पाएगी?

नाकाबंदी देख तस्कर डोडा-चूरा से भरी सेल्टोस छोड़ जंगल में भागे, 147.100 किलो माल जब्त, सविना थाना पुलिस की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सविना थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 147.100 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा जब्त किया है। तस्करी में इस्तेमाल किया सेल्टोस कार (जीजे 23 सीएफ 0555) भी पुलिस ने कब्जे में ले ली। हालांकि पुलिस की नाकाबंदी देखकर कार में सवार तस्कर वाहन को सड़क पर छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले। पुलिस के अनुसार कार्रवाई राज्यभर में चलाए जा रहे मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत की गई। उदयपुर रेंज आईजी गौरव श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा तथा नगर पूर्व की वृत्ताधिकारी छवि शर्मा के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी दलबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम नाकाबंदी कर रही थी।

नाकाबंदी देखकर कार छोड़कर भागे

पुलिस की नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध किया सेल्टोस नजर आई। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही कार में बैठे लोग वाहन को सड़क पर छोड़कर अंधेरे और जंगल की तरफ भाग गए। पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। इसके बाद पुलिस ने मौके पर छोड़ी गई कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी और पीछे की सीट पर प्लास्टिक के कट्टे रखे मिले। जब इनकी जांच की गई तो उनमें अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा मिला। वजन कराने पर कुल 147.100 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद हुआ। वाहन समेत माल जब्त, तस्करों की पहचान का प्रयास पुलिस ने डोडा-चूरा और तस्करी में इस्तेमाल कार को जब्त कर लिया। मामले में सविना थाने में प्रकरण संख्या 283/ 2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/ 15 के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू किया गया है। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मौके से फरार हुए तस्करों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना है। वाहन के रजिस्ट्रेशन, उसके मालिकाना रिकॉर्ड, मोबाइल संपर्क और मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की जांच के जरिए पुलिस तस्करी की पूरी कड़ी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

कार्रवाई में सविना थानाधिकारी दलबीर सिंह, उप निरीक्षक रविन्द्र पाटीदार, सहायक उप निरीक्षक जीवतराम, भीमराज और सज्जन सिंह, हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह (1959) तथा कांस्टेबल आनन्द रत्नू (02) और खरताराम (1378) शामिल रहे।

सफाईकर्मी पिंटू की ईमानदारी से लौटा यात्री का नकदी से भरा पर्स, आरपीएफ की तत्परता सराहनीय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 सितम्बर। दिल्ली से उदयपुर आ रही मेवाड़ एक्सप्रेस में यात्री महेंद्र तलेसरा का पर्स सीट पर छूट गया। सूचना मिलते ही आरपीएफ अधिकारी परमजीत सिंह ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए पर्स की तलाश करवाई। ट्रेन में कार्यरत सफाईकर्मी पिंटू को पर्स मिला। उन्होंने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए पर्स को तुरंत आरपीएफ कार्यालय में जमा करा दिया। पर्स मिलने की सूचना परमजीत सिंह ने तत्काल महेंद्र तलेसरा को दी। उदयपुर आरपीएफ कार्यालय पहुंचने पर सुरेंद्र सिंह एवं विकास कुमार ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर पर्स सुरक्षित रूप से महेंद्र तलेसरा को सुपुर्द किया। महेंद्र तलेसरा ने कहा कि पिंटू की ईमानदारी ने न केवल उनका खोया सामान लौटाया, बल्कि आज के समय में ईमानदारी और इंसानियत पर विश्वास भी मजबूत किया है। उन्होंने पिंटू सहित आरपीएफ अधिकारी परमजीत सिंह , सुरेंद्र सिंह एवं विकास कुमार के त्वरित सहयोग, कर्तव्यनिष्ठा एवं संवेदनशीलता के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

मदद के बहाने राहगीर को फंसाते, फिर अपहरण कर बनाते अश्लील वीडियो; Paytm से वसूले 25 हजार, चार गिरफ्तार, प्रतापनगर पुलिस ने गैंग का किया पर्दाफाश

हाईवे किनारे 'बीमार' बनकर बैठते थे आरोपी; मदद के लिए रुकते ही शुरू होता था ब्लैकमेलिंग का खेल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राह चलते किसी अनजान व्यक्ति की मदद करना इंसानियत मानी जाती है, लेकिन उदयपुर में एक गैंग ने इसी भरोसे को अपराध का हथियार बना लिया। हाईवे के किनारे मुंह से झाग निकालकर घायल या नशे में पड़े व्यक्ति का नाटक, मदद के लिए रुकने वाले राहगीर को निशाना बनाना, फिर उसे जबरन कार में बैठाकर सुनसान जगह ले जाना और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर पैसे ऐंठना'प्रतापनगर थाना पुलिस ने ऐसे ही एक गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान देवेन्द्र विश्नोई (25), मनीष जोशी (25), नरेन्द्र रेबारी (28) और ओम प्रकाश जाट (38) के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार, मोबाइल फोन और पीड़ित से डराकर वसूली गई रकम भी बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे इस तरह की अन्य वारदातों के बारे में भी जानकारी सामने आने की संभावना है।

मदद के लिए रुका था, खुद शिकार बन गया

पुलिस के अनुसार घटना 1 अगस्त 2026 की है। हिन्दुस्तान जिंक के जिंक स्मेल्टर देबारी में ड्यूटी पूरी करने के बाद पीड़ित अपने घर ढिकली की तरफ जा रहा था। रास्ते में हाईवे पर उसे एक व्यक्ति पड़ा दिखाई दिया। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। स्थिति देखकर पीड़ित ने उसे मदद की जरूरत समझी और अपनी गाड़ी रोक दी। यही रुकना उसके लिए मुसीबत बन गया। पुलिस के मुताबिक जैसे ही वह व्यक्ति के पास पहुंचा, वहां तीन अन्य लोग भी आ गए। आरोप है कि जमीन पर पड़े व्यक्ति ने पीड़ित के ऊपर कोई स्प्रे कर दिया। इसके बाद उसकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा। इसी दौरान चारों आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और जबरन स्विफ्ट डिजायर कार में डालकर अम्बेरी रोड की ओर ले गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे डराया गया। आरोपियों ने पीड़ित से उसके Paytm के जरिए करीब 25 हजार रुपए ट्रांसफर करवाए। इतना ही नहीं, उसे धमकी दी गई कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया या पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई तो उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। इस घटना ने केवल लूट या मारपीट का मामला नहीं, बल्कि डिजिटल ब्लैकमेलिंग और अपहरण के जरिए वसूली के एक खतरनाक तरीके की तस्वीर सामने रखी।

रिपोर्ट मिलते ही पुलिस ने शुरू की पड़ताल

पीड़ित की रिपोर्ट पर प्रतापनगर थाने में प्रकरण संख्या 427/ 2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 140(3), 119(1), 308(2) और 3(5) के तहत जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और नगर पूर्व की वृत्ताधिकारी छवि शर्मा के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी अजय सिंह राव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपियों की पहचान की। इसके बाद चारों को डिटेन कर पूछताछ की गई और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

चारों आरोपी डीडवाना-कुचामन क्षेत्र के

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में' देवेन्द्र विश्नोई, उम्र 25 वर्ष, निवासी बडलो का वास, कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन। मनीष जोशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी बेसरोली, थाना बडू, जिला डीडवाना-कुचामन। नरेन्द्र रेबारी, उम्र 28 वर्ष, निवासी बांसा, थाना मोलासर, जिला डीडवाना-कुचामन। ओम प्रकाश जाट, उम्र 38 वर्ष, निवासी निमोद, थाना मोलासर, जिला डीडवाना-कुचामन। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा पीड़ित से डराकर वसूली गई रकम भी बरामद किए जाने की जानकारी पुलिस ने दी है।

गैंग का तरीका वारदात सबसे बड़ा सुराग

पुलिस के अनुसार आरोपी नशे के आदी बताए जा रहे हैं और राहगीरों को फंसाने के लिए एक खास तरीका अपनाते थे। वे सड़क किनारे कार खड़ी कर देते और उनमें से एक व्यक्ति मुंह से झाग निकालकर बीमार या घायल होने का नाटक करता था। राहगीर मदद के लिए जैसे ही अपनी गाड़ी रोककर उनके पास आता, बाकी साथी सक्रिय हो जाते। इसके बाद मदद करने वाले व्यक्ति को काबू कर अपहरण, मारपीट और लूट की जाती। पुलिस के अनुसार आरोपियों का मकसद केवल नकदी तक सीमित नहीं था, बल्कि मौका मिलने पर जेवरात भी छीनने की बात सामने आई है। आरोपियों के मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड, बैंकिंग लेन-देन और कार की गतिविधियों की जांच से पुलिस को अन्य संभावित वारदातों की कड़ियां मिल सकती हैं। यही जांच यह भी स्पष्ट कर सकती है कि गैंग ने कितने लोगों को इसी तरीके से निशाना बनाया और कहीं ऐसे पीड़ित तो नहीं हैं जिन्होंने बदनामी या वीडियो वायरल होने के डर से पुलिस में शिकायत ही नहीं की।

पुलिस टीम

कार्रवाई में प्रतापनगर थानाधिकारी अजय सिंह राव, सहायक उप निरीक्षक भगवत सिंह, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र सिंह (2801), कांस्टेबल मांगीलाल (1096) और सुरेन्द्र (1528) शामिल रहे।

गोगुंदा में अवैध मछली पकड़ने पर पुलिस की कार्रवाई, तीन मामलों में चार आरोपी पकड़े

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा थाना पुलिस ने तालाब और जलस्रोतों में नियमों के विरुद्ध मछली पकड़ने के मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार 16 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की गई। पहला मामला मोड़ी पुलिया, गोगुंदा क्षेत्र का है। यहां पुलिस ने नियमों के विपरीत मछली पकड़ने के आरोप में सरफराज पिता मुख्तियार अहमद (40) निवासी श्यामनगर, मेरठ, उत्तर प्रदेश, हाल गोगुंदा के खिलाफ कार्रवाई की। दूसरी कार्रवाई चाटिया खेड़ी, गोगुंदा क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस ने नियमों के विरुद्ध मछली पकड़ने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। तीसरे मामले में पावर हाउस तालाब क्षेत्र में कार्रवाई की गई। यहां पुलिस ने अरबाज खान (26) निवासी गोगुंदा तथा मोहम्मद बिलाल (34) निवासी हाथीपोल, चमनपुरा, हाल सुथारवाड़ा, गोगुंदा के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने तीनों मामलों में राजस्थान मत्स्य अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल सुनील कुमार तथा सहायक उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह और प्रेम कुमार सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

डबोक में सड़क हादसा: अज्ञात बाइक चालक की टक्कर से युवक की मौत, साथी गंभीर घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र के भूतपुरा में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा 15 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार हार्दिक हरमोर (22), निवासी गड़ा नाथजी, थाना आसपुर, जिला डूंगरपुर, हाल कृष्णा धाम ओड़ा, मकान नंबर 65, बैजलपुर, अहमदाबाद, साथी के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल को एक अज्ञात चालक गलत साइड से लेकर आया और सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हार्दिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके साथी की मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात बाइक चालक मौके से फरार हो गया। मामले में डबोक थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 और 106 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

शक्तिनगर में कांवड़ यात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आयड़ स्थित गंगू कुंड से उबेश्वरजी मंदिर के लिए निकली विशाल कांवड़ यात्रा का शक्तिनगर में व्यापार मंडल और शिवभक्तों ने भव्य स्वागत किया। यात्रा के पहुंचने पर लिबर्टी पेंट्स के बाहर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया।

शक्तिनगर व्यापार मंडल महासचिव जितेन्द्र कालरा ने बताया कि कांवड़ियों के लिए पेयजल, सेगारी और फल प्रसाद की व्यवस्था की गई। शिव भजनों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।

व्यवस्थाओं में गोवर्धन राठौड़, सुनील कालरा, कैलाश राठौड़, मुकेश माधवानी, अम्बालाल मोची, नरेन्द्र मुंडिया, ओम खटिक, हर्ष लिंजारा, यश पालीवाल, वैभव जैन, किशोर राजदेव, दीपक बिलोची, ईश्वर, ओमप्रकाश सिधवानी, कमल साहू, हर्ष, निखिल और अभय राठौर सहित व्यापारियों एवं शिवभक्तों ने सहयोग किया।

सिंधी भाषा सीखने की मुहिम में 1109 परीक्षार्थी, उदयपुर में 38 ने दी परीक्षा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नई पीढ़ी को मातृभाषा और सिंधी संस्कृति से जोड़ने की मुहिम के तहत आयोजित सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स की ग्रीष्मकालीन परीक्षा रविवार को संपन्न हुई। राजस्थान के 18 जिलों और प्रमुख केंद्रों पर हुई परीक्षा में 1109 परीक्षार्थी शामिल हुए। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली और भारतीय सिंधु सभा न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 15 मई से प्रदेशभर में सिंधी भाषा की विशेष ग्रीष्मकालीन कक्षाएं शुरू की गई थीं। इनमें 1448 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। करीब दो माह के प्रशिक्षण के बाद परीक्षा आयोजित की गई। उदयपुर में परीक्षा केंद्र हैप्पी होम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रतापनगर बनाया गया था। यहां पंजीकृत 60 विद्यार्थियों में से 38 ने परीक्षा दी। परीक्षा प्रभारी प्रकाश फुलानी और मनोज कटारिया ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। परीक्षा की निगरानी के लिए जयपुर से किरण होतवानी और राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, दिल्ली की प्रतिनिधि पिंकी महतो उदयपुर पहुंचीं। दोनों ने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कार्यक्रम में डॉ. मनोहर कालरा, सुनील शिकारपुरी, संत साधूराम, सुरेश खुराना, जगदीश अरोड़ा, विक्की राजपाल, कमल कृपलानी, प्रदीप माधवानी, अशोक मंगवानी, हरीश चावला, लज्जा रामेजा, भगवान सचदेव, उर्मिल नन्दवानी, कंचन रंगवानी, मीनल पुरुस्वानी, वैशाली मोटवानी, धनवंती खुराना, वंदना मूलचंदानी और बी.के. आनंद कुमार सहित समाज के लोग मौजूद रहे। भारतीय सिंधु सभा उदयपुर अध्यक्ष गुरमुख कस्तूरी और महामंत्री विजय आहूजा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य नई पीढ़ी में सिंधी भाषा के प्रति रुचि पैदा कर मातृभाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाना है।

गोरखनाथ छात्रावास के विद्यार्थियों को टी-शर्ट और स्टेशनरी वितरित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बदनौर की हवेली स्थित गोरखनाथ छात्रावास विद्यानिकेतन में विद्यार्थियों को टी-शर्ट और स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। ग्राहक पंचायत कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को पेंसिल, रबर सहित अन्य सामग्री दी और अल्पाहार कराया। कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, महिला अध्यक्ष पूर्णिमा बोकड़िया, संगीता जैन, करणसिंह कटारिया, फतेहलाल पारिक, राजेन्द्र स्वर्णकार, परमानंद शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, राजकुमार बोहरा, छात्रावास अधीक्षक दीपक त्रिवेदी और प्रवीण जैन मौजूद रहे। जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करने और उनकी जरूरतों में सहयोग करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

युवा नशा मुक्त एवं युवतियां फैशन मुक्त होने पर ही राष्ट्र कल्याण संभव : आचार्य विजयराज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अगस्त। सामाजिक संस्था जैन जागृति सेन्टर उदयपुर के का दो दिवसीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक यात्रा संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत के निर्देशन में तथा अध्यक्ष अरूण मेहता के नेतृत्व में पडासली स्थित नाकोड़ा धाम, अजमेर स्थित नारेली तीर्थ एवं पुष्कर के ब्रह्माजी मंदिर व पुष्कर घाट पर पूजा उपासना के बाद ब्यावर में शांतक्रांत संघ के आचार्य विजयराज महाराज के चरणों में पहुंचे। जहां आचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा नशा मुक्त व युवतियां फैशन मुक्त तथा राष्ट्र प्रदर्शन मुक्त हो जाए तो समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। मंत्रों के महामंत्र नवकार महामंत्र के नियमित जाप से सभी दुखों का हरण हो जाता है। संगठन के मुख्य संरक्षक एवं संस्थापक राजकुमार फत्तावत ने 80वें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए आव्हान किया कि सभी सदस्य परिवारों को अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज में आदर्श प्रस्तुत करना होगा। जहां समय प्रबंधन हमारी ब्राण्ड बन चुका है वही संस्कारित परिवार को भी हमे अपनी फ्रेंड बनाना होगा। अध्यक्ष अरूण मेहता व कार्यकारी अध्यक्ष नितिन लोढ़ा ने बताया कि जेजेसी सदस्यों ने दो दिवसीय धार्मिक यात्रा के साथ-साथ पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा जिलया। जिसमें पूल में बलून गेम पुरूष में प्रतिक मुर्डिया, कपल गेम पुल रेस में राजेन्द्र पिस्ता चोरडिया, जिमित आरती जैन, क्वींस पुल रेस गेम में शोभना चौधरी, पिस्ता चोरडिया, शशि सिरोया, पुल रेस पुरूष में जिनेन्द्र चित्तौड़ा, सुशील गांधी, राजेन्द्र चोरडिया, ट्रेजर सर्च पुल में राजेश भाणावत, यस-नो गेम में अनिता जैन, धानी सिंघवी, वीणा सिंघवी, आशा मेहता, उर्मिला नागोरी, अमिताभ बच्चन स्टाईल रोल में पिंकी चित्तौड़ा, मनीषा बम्ब, नम्बर एक्शन कपल गेम में अनील-मंजू सिंघवी, कुलदीप-महिका कोठारी, विरेन्द्र भावना कावडिया, खोजो-जमाओ फेमिली गेम्स में ट्विकिल नाहर, वीणा सिंघवी एवं जयमाला करणपुरिया विजेता रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। शब्दों द्वारा स्वागत अध्यक्ष अरूण मेहता ने किया। आभार महामंत्री ललित कोठारी ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष राजेश भाणावत ने किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत, महावीर युवा मंच संस्थान अध्यक्ष अशोक कोठारी, जेजेसी लेडिज विंग अध्यक्षा नीता छाजेड, भारतीय जैन संघटना महिला विंग की अध्यक्षा मीना कावडिया सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

जेके सीमेंट निंबाहेड़ा-मांगरोल प्लांट में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा (कविता पारख)। जे.के. सीमेंट वर्क्स निंबाहेड़ा एवं मांगरोल प्लांट में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। दोनों इकाइयों में आयोजित समारोहों में ध्वजारोहण, परेड, राष्ट्रगान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की खुशियां मनाई गईं। कार्यक्रम में कंपनी अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया।

निंबाहेड़ा प्लांट में मनीष तोषनीवाल ने किया ध्वजारोहण

जे.के. सीमेंट वर्क्स निंबाहेड़ा-मांगरोल प्लांट में समारोह यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। निंबाहेड़ा इकाई में यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद ध्वजारोहण किया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण के बाद एल.के. सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। इसके बाद मनीष तोषनीवाल ने परेड की सलामी ली। इस अवसर पर मनीष तोषनीवाल ने कहा कि भारत लगातार प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है और नया भारत सभी को साथ लेकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश को विश्व शक्ति बनाने की दिशा में हो रही निरंतर प्रगति भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत कर रही है। उन्होंने कर्मचारियों और उपस्थित लोगों से सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और नई दक्षताओं के विकास पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य और जिम्मेदारी के माध्यम से देश की प्रगति में भागीदार बन सकता है।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने जीता दिल

स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। कर्मचारियों के बच्चों ने भी विभिन्न देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ाया। टेक्निकल हेड राजेश सोनी, कमर्शियल हेड मनोज सोनी, सुरक्षा प्रमुख अंकुर महाराज सिंह, इलेक्ट्रिकल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन हेड मोह. करीम, मैकेनिकल हेड शांतिलाल जैन, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी हेड मुकेश वासवानी, क्वालिटी कंट्रोल से धनञ्जय साहू, सिविल हेड रंजीत गंगोपाध्याय, आईआर हेड रानू नायक, मानव संसाधन टीम से मोहसिन खान और जीतेन्द्र सिंह सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मांगरोल प्लांट में मुरली मनोहर लड्ढा रहे मुख्य अतिथि

जे.के. सीमेंट मांगरोल प्लांट में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में टेक्निकल हेड मुरली मनोहर लड्ढा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने ध्वजारोहण के बाद उपस्थित कर्मचारियों एवं जनसमूह को संबोधित किया। मुरली मनोहर लड्ढा ने देश की प्रगति में योगदान देने के साथ कंपनी की निरंतर वृद्धि में कर्मचारियों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कर्मचारियों के परिश्रम और कार्यकुशलता को संस्थान की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में जे.के. सीमेंट मांगरोल प्लांट नवाचार, सतत विकास और उत्कृष्ट टीम की कार्यकुशलता के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

कर्मचारियों के योगदान को किया सम्मानित

समारोह में संस्थान की उन्नति में कर्मचारियों के योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। कंपनी अधिकारियों, विभिन्न विभागों की टीमों और कर्मचारियों ने जे.के. सीमेंट की प्रगति, व्यावसायिक सफलता और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर तकनीकी विभागों से दीपक सोनी, किशोर शर्मा, जगन्नाथ अड़की, विशाल लड्ढा, चंचल राजपूत, सुरेंद्र जोशी, विकेश जैन, अरविंद दास, सुयश द्विवेदी, पंकज बाबेल और कमल सनाढ्य मौजूद रहे। सेफ्टी विभाग से मुकेश कुमार सिंह, एचआर विभाग से भुवनेश सिंह (वरिष्ठ प्रबंधक), संदीप चौधरी और राम रतन नायक तथा सुरक्षा विभाग से अनुज सिंह (सिक्योरिटी हेड), शिव पाल सिंह और रण सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रमिक संघ अध्यक्ष सत्यनारायण मेनारिया और महामंत्री धर्मपुरी गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं श्रमिक साथी मौजूद रहे। समारोह का संचालन गीतिका शेखावत, कुमारी लकी सिंह और देवेन मारोड़िया ने किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कर्मचारियों के उत्साह ने दोनों प्लांट परिसरों को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया।

70 यूनिट रक्तदान, 151 तुलसी पौधों से सेवा और पर्यावरण का संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर बापू बाजार स्थित के. एंड आर. टेलर्स में के. एंड आर. टेलर्स, जिंदल बैग्स और वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मददगार हिंदुस्तानी टीम की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 70 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। आयोजकों के अनुसार यह रक्त जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने में उपयोगी होगा। शिविर में 40 से अधिक बार रक्तदान कर चुके रक्तदाताओं को 'रक्तवीर सम्मान और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को 'नारी शक्ति सम्मान दिया गया। वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान की ओर से सम्मानित रक्तदाताओं और महिलाओं को 151 तुलसी के पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मददगार हिंदुस्तानी टीम के संस्थापक मोहम्मद इस्लाम शेख अशरफी ने कहा कि टीम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई धर्म या जाति नहीं होती, उसका उद्देश्य केवल जीवन बचाना है। मीडिया प्रभारी नरेश पुरबिया ने आयोजन की जानकारी दी। कार्यक्रम में बिलाल मंसूरी, इकराम मोहम्मद शेख, सुल्ताना शेख, यासीन शेख, अंबालाल साहू, राजेश सोनी, सुरेश बुला, नरेश बुला, दिव्या बुला, अन्नू बुला, दक्ष बुला, किशन सिंह, हेमेंद्र सिंह और अकील मोहम्मद सहित टीम सदस्यों का सहयोग रहा। सचिन जिंदल, सुनील जिंदल, आकाश जिंदल, डॉ. गोपेश शर्मा, अनिल पारिख, यशवन्त त्रिवेदी, मनोहर लाल व्यास, कमला शर्मा और नीलेश पालीवाल मौजूद रहे। वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपेश शर्मा ने कहा कि रक्तदान मानव जीवन और पौधरोपण पर्यावरण की रक्षा करता है। कार्यक्रम के अंत में मोहम्मद इस्लाम शेख अशरफी ने 'हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों से तिरंगे को देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक बनाए रखने की अपील की।

मावली न्यायालय परिसर में ध्वजारोहण के बाद किया पौधारोपण

24 न्यूज अपडेट

मावली। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर न्यायालय परिसर मावली में गरिमामय माहौल में राष्ट्रीय पर्व मनाया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश युवराज सिंह गुर्जर ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशानुसार ध्वजारोहण के बाद न्यायालय परिसर में पौधारोपण किया गया। युवराज सिंह गुर्जर, उपखंड अधिकारी रमेश सीरवी पुनाडिया, एसीजेएम प्रेम प्रकाश जीनगर, एसीजेएम मोहितास सिंह पंवार, विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रीतिश पराशर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रियंका बैरवा और लोक अभियोजक दिनेश चंद्र पालीवाल ने पौधे लगाए। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता मदन नागदा, ओमप्रकाश डागलिया, नितिन मंडोवरा, हार्दिक चेचाणी और कमलेश कुमार सहित बार के सदस्य, न्यायालय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समापन पर उपस्थितजनों को मिठाई वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

सांसद डॉ मन्नालाल रावत बने भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। रावत की नियुक्ति को राजस्थान सहित देशभर में आदिवासी समाज के बीच भाजपा के संगठनात्मक विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे। डॉ. रावत ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आदिवासी समाज के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं को देशभर के जनजातीय समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, आदिवासी क्षेत्रों में संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा समाज के लोगों को पार्टी की विचारधारा और विकास कार्यों से जोड़ने की दिशा में काम किया जाएगा। डॉ. रावत की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति से राजस्थान में भी आदिवासी समाज के बीच भाजपा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से मेवाड़ और दक्षिणी राजस्थान में आदिवासी समाज के बीच उनकी सक्रियता को देखते हुए उनकी नई जिम्मेदारी को राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

80 वार्डों की लॉटरी ने हिलाई दिग्गजों के ख्वाबों की जमीन : बदलना पड़ेगा ठिकाना

33 वार्ड अनारक्षित ओपन, 16 अनारक्षित महिला; ओबीसी के 16, एससी के 7 और एसटी के 8 वार्ड आरक्षित

80 वार्डों का पूरा आरक्षण चार्ट

वार्ड	आरक्षण	वार्ड	आरक्षण
1	अनारक्षित ओपन	41	एसटी ओपन
2	ओबीसी ओपन	42	एसटी महिला
3	अनारक्षित ओपन	43	एसटी ओपन
4	अनारक्षित महिला	44	अनारक्षित ओपन
5	अनारक्षित ओपन	45	अनारक्षित ओपन
6	ओबीसी ओपन	46	अनारक्षित ओपन
7	एससी ओपन	47	अनारक्षित ओपन
8	अनारक्षित महिला	48	ओबीसी ओपन
9	एससी ओपन	49	अनारक्षित ओपन
10	अनारक्षित ओपन	50	अनारक्षित ओपन
11	ओबीसी ओपन	51	अनारक्षित ओपन
12	अनारक्षित ओपन	52	अनारक्षित महिला
13	एसटी महिला	53	अनारक्षित ओपन
14	ओबीसी ओपन	54	अनारक्षित ओपन
15	अनारक्षित ओपन	55	ओबीसी महिला
16	अनारक्षित महिला	56	अनारक्षित ओपन
17	अनारक्षित महिला	57	अनारक्षित महिला
18	अनारक्षित ओपन	58	अनारक्षित महिला
19	अनारक्षित ओपन	59	एससी महिला
20	अनारक्षित ओपन	60	अनारक्षित महिला
21	ओबीसी ओपन	61	ओबीसी महिला
22	ओबीसी ओपन	62	एसटी महिला
23	ओबीसी ओपन	63	अनारक्षित ओपन
24	अनारक्षित ओपन	64	अनारक्षित ओपन
25	अनारक्षित ओपन	65	एसटी ओपन
26	अनारक्षित ओपन	66	अनारक्षित ओपन
27	अनारक्षित महिला	67	एससी महिला
28	अनारक्षित ओपन	68	ओबीसी महिला
29	अनारक्षित ओपन	69	अनारक्षित महिला
30	एससी ओपन	70	अनारक्षित ओपन
31	अनारक्षित महिला	71	ओबीसी ओपन
32	एससी ओपन	72	ओबीसी ओपन
33	अनारक्षित ओपन	73	अनारक्षित महिला
34	ओबीसी महिला	74	ओबीसी ओपन
35	अनारक्षित महिला	75	अनारक्षित ओपन
36	अनारक्षित महिला	76	अनारक्षित महिला
37	एससी ओपन	77	एसटी ओपन
38	ओबीसी महिला	78	अनारक्षित ओपन
39	अनारक्षित ओपन	79	एसटी ओपन
40	अनारक्षित महिला	80	अनारक्षित ओपन

अनारक्षित ओपन	अनारक्षित महिला	ओबीसी ओपन	ओबीसी महिला	एससी ओपन	एससी महिला	एसटी ओपन	एसटी महिला
34	17	16	6	7	2	5	3

नोट : यह चार्ट नियमानुसार आरक्षण की वर्तमान स्थिति को दर्शाता है।

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अगस्त। उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों की आरक्षण लॉटरी ने चुनावी राजनीति का पूरा गणित बदल दिया है। लॉटरी निकलने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के कई नेताओं की अपने वार्ड से चुनाव लड़ने की तैयारी धरी रह गई, जबकि कई दावेदारों के लिए किस्मत ने रास्ता खोल दिया है। खास बात यह है कि 33 वार्ड अनारक्षित ओपन हैं, जिसके चलते इन सीटों पर बड़े नेताओं के बीच टिकट की सबसे बड़ी जंग देखने को मिल सकती है। आरक्षण के बाद अब नेताओं ने अपने-अपने वार्ड से टिकट की कवायद तेज कर दी है। जिनका वार्ड महिला, ओबीसी या एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हो गया है, वे दूसरे वार्डों में संभावनाएं तलाश रहे हैं। यही वजह है कि आने वाले दिनों में दूसरे वार्डों में पहुंचने वाले नेताओं और वहां पहले से तैयारी कर रहे दावेदारों के बीच सियासी टकराव भी देखने को मिल सकता है।

यानी कुल 49 वार्ड अनारक्षित वर्ग में हैं, जबकि बाकी 31 वार्ड ओबीसी, एससी और एसटी के लिए आरक्षित हुए हैं। मेयर पद की दौड़ में सबसे प्रमुख नामों में पारस सिंघवी, रवीन्द्र श्रीमाली, प्रमोद सामर और अतुल चंडालिया शामिल हैं। इन चारों के लिए लॉटरी फिलहाल राहत लेकर आई है। पारस सिंघवी जिन वार्ड नंबर 24 और 29 से दावेदारी कर रहे थे, दोनों ही अनारक्षित ओपन निकले हैं। वार्ड 24 और 29 के ओपन रहने से उनके पास दो विकल्प मौजूद हैं। रवीन्द्र श्रीमाली का वार्ड 33 भी अनारक्षित ओपन है। पूर्व यूआईटी चेयरमैन और नगर परिषद सभापति रह चुके श्रीमाली चुनाव लड़ेंगे या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अतुल चंडालिया का वार्ड 78 भी अनारक्षित ओपन आया है। इससे उनकी मेयर पद की दावेदारी को मजबूती मिली है। प्रमोद सामर का वार्ड भी अनारक्षित ओपन है। लेकिन उनके सामने एक अलग पेच है। पार्टी ने उन्हें निकाय कोटा का प्रभारी बनाया है। ऐसे में सवाल यह है कि संगठन उन्हें चुनाव मैदान में उतारता है या निकाय प्रभारी की जिम्मेदारी ही संभालने देता है।

फतहसिंह राठौड़ की अपने वार्ड से उम्मीद खत्म

उदयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ अपने वार्ड से खुद या अपने बेटे को चुनाव लड़ाने की तैयारी में थे। लेकिन उनका वार्ड अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित हो गया। ऐसे में राठौड़ परिवार को अब दूसरे वार्ड की तलाश करनी होगी। हालांकि फतहसिंह राठौड़ का पैतृक गांव बेदला वाला क्षेत्र ओपन आने से इसे संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है। यह बदलाव कांग्रेस के लिए भी अहम है, क्योंकि शहर कांग्रेस अध्यक्ष को अब अपने मूल वार्ड के बजाय दूसरी सीट पर राजनीतिक समीकरण बैठाना होगा।

गोपाल शर्मा का वार्ड ओबीसी ओपन, बहू हितांशी को मिला नया रास्ता

पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत गिरिजा व्यास के भाई और उदयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गोपाल शर्मा वार्ड 6 से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। लेकिन वार्ड 6 ओबीसी ओपन हो गया। इसका सीधा असर गोपाल शर्मा की दावेदारी पर पड़ा है। उनकी बहू हितांशी शर्मा भी इसी वार्ड से दावेदारी कर रही थीं। अब उनके लिए वार्ड 73 नया विकल्प बन सकता है, जो अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित हुआ है। हालांकि वार्ड 73 से हितांशी के पिता और कांग्रेस नेता केके शर्मा की भी दावेदारी बताई जा रही है। ऐसे में यहां टिकट का समीकरण भी दिलचस्प रहेगा।

अजय पोरवाल को भी बदलना पड़ेगा ठिकाना

कांग्रेस नेता एवं पूर्व पार्षद अजय पोरवाल मेयर की सीट अनारक्षित आने के बाद वार्ड 6 से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। लेकिन वार्ड 6 के ओबीसी ओपन होने से अब उन्हें दूसरा वार्ड तलाशना होगा। वे अहिंसापुरी के आसपास के किसी ओपन वार्ड को विकल्प बना सकते हैं।

मोहसिन खान और दिनेश श्रीमाली के वार्ड भी आरक्षित

नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष मोहसिन खान का मूल वार्ड महिला के लिए आरक्षित हो गया है। अब वे वार्ड 10 या 20 से टिकट की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन इन वार्डों में पहले से सक्रिय दावेदारों के बीच अपनी जगह बनाना उनके लिए चुनौती होगी। वहीं शहर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रह चुके और पूर्व नेता प्रतिपक्ष दिनेश श्रीमाली वार्ड 17 से तैयारी कर रहे थे। यह वार्ड भी अनारक्षित महिला हो गया है। श्रीमाली नाथद्वारा के पूर्व विधायक सीपी जोशी के करीबी माने जाते हैं।

अरुण टांक को दो संभावित रास्ते

कांग्रेस की ओर से महापौर पद का चुनाव लड़ चुके अरुण टांक के लिए लॉटरी राहत लेकर आई है। वे वार्ड 3 से दावेदारी कर रहे हैं और वार्ड 3 अनारक्षित ओपन आया है। दिलचस्प यह है कि जिस पुराने वार्ड से वे पार्षद बने थे, वह नया वार्ड 6 है, जो ओबीसी ओपन हो गया है। ऐसे में टांक के सामने वार्ड 3 का स्पष्ट विकल्प है।

ताराचंद जैन के वार्ड ने तीन दावेदारों का गणित बदला

शहर विधायक ताराचंद जैन का वार्ड 34 ओबीसी महिला के लिए आरक्षित हुआ है। इससे यहां से दावेदारी कर रहे किरण जैन, रामकृपा शर्मा और जितेन्द्र शास्त्री के चुनावी समीकरण प्रभावित हुए हैं। अब इन तीनों को दूसरे वार्ड में राजनीतिक जमीन तलाशनी होगी।

अतुल चंडालिया और पिंकी मांड़ावत आमने-सामने

वार्ड 78 अनारक्षित ओपन आने से भाजपा नेता अतुल चंडालिया को राहत मिली है। इसी वार्ड से पिंकी मांड़ावत की भी दावेदारी बताई जा रही है। ऐसे में यदि दोनों ही इसी वार्ड से टिकट चाहते हैं तो पार्टी के सामने स्थानीय समीकरण साधने की चुनौती रहेगी।

कविता जोशी और अलका मुंदड़ा को भी फायदा

कविता जोशी का वार्ड 76 अनारक्षित महिला हुआ है। इससे उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अलका मुंदड़ा के लिए वार्ड 51 का अनारक्षित ओपन होना राहत की खबर है। वे चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इसी वार्ड से प्रमोद सामर और प्रेम सिंह शक्तावत के नाम भी चर्चा में हैं। इसलिए वार्ड 51 भी भाजपा के भीतर महत्वपूर्ण मुकाबले वाला वार्ड बन सकता है।

नानालाल को तलाशना होगा नया वार्ड

नगर निगम के पूर्व समिति अध्यक्ष नानालाल का वार्ड 74 ओबीसी ओपन हो गया है। ऐसे में उन्हें दूसरे वार्ड में जाना पड़ सकता है। दूसरी तरफ वार्ड 74 से जुड़े नए दावेदारों के लिए यह आरक्षण चुनावी टिकट का रास्ता खोल सकता है।

पंकज शर्मा और दिनेश दवे को मनमाफिक वार्ड

कांग्रेस नेता पंकज शर्मा का वार्ड 25 और दिनेश दवे का वार्ड 18 अनारक्षित ओपन आया है। दोनों नेताओं और उनके समर्थकों में इसके बाद उत्साह है और अब टिकट के लिए पार्टी स्तर पर प्रयास तेज होंगे। इसके विपरीत सुरेश श्रीमाली और खूबीलाल मेनारिया का वार्ड 4 अनारक्षित महिला होने से उनकी मूल दावेदारी प्रभावित हुई है।

शंकर चंदेल के वार्ड में खुला रास्ता

कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष शंकर चंडेल का वार्ड 7 एससी ओपन के लिए आरक्षित हुआ है। चंडेल पहले पार्षद रह चुके हैं। ब्लॉक अध्यक्ष बनने के बाद अब उनके वार्ड का आरक्षण भी उनके राजनीतिक समीकरण के अनुकूल माना जा रहा है।

राजीव सुहालका को भी तलाशना होगा नया वार्ड

कांग्रेस नेता राजीव सुहालका वार्ड 4 से दावेदारी कर रहे थे, लेकिन यह वार्ड अनारक्षित महिला हो गया। अब उन्हें आसपास के किसी वार्ड में टिकट की कोशिश करनी होगी। सुहालका विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस टिकट की दावेदारी कर चुके हैं और अब निगम चुनाव को लेकर सक्रिय हैं।

अब नजर टिकट की लॉटरी पर

वार्ड आरक्षण की लॉटरी ने भले ही 80 सीटों की तस्वीर साफ कर दी हो, लेकिन असल राजनीतिक लॉटरी अब टिकट वितरण के समय निकलेगी। सबसे बड़ा खेल उन 33 अनारक्षित ओपन वार्डों में होगा, जहां भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ पूर्व पार्षद, संगठन पदाधिकारी और नए दावेदार एक ही सीट पर टिकट मांग सकते हैं। दूसरी ओर आरक्षित हुए वार्डों से बाहर हुए नेताओं के दूसरे वार्ड में पहुंचने से वहां पहले से तैयारी कर रहे दावेदारों की चिंता बढ़ेगी। यानी आने वाले दिनों में 'मूल वार्ड बनाम नया वार्ड और 'पुराना दावेदार बनाम पैराशूट दावेदार का मुकाबला निगम चुनाव की सबसे दिलचस्प तस्वीर बन सकता है।